श्रीनाथसंग्रह

पण्डितलोकनाथद्विवेदीकृत

जिसमें

[illegible]बीसी, ना[illegible]पद पचरी, गणेशाष्टक, अम्बिकाष्टक, न[illegible]निपचरल, [illegible] अन्नपूर्णाष्टक सङ्कटाष्टक, भवानीनयाष्टक, विश्वनाथाष्टक, शिवाष्टक, कबीरशाही पद, काशीपचरल, रामजन्माष्टक रघुनाथाष्टक, हनुमताष्टक, कृष्णज[illegible] राधिकाष्टक, यमुनाष्टक, बल्देवाष्टक, उध्याष्टक [illegible], [illegible]नीविरहाष्टक गोपीकृष्णाष्टक [illegible]ष्टक, गोपीप्रलापाष्टक, [illegible], मल्हाराष्टक, झूलाष्टक, जनकपुराष्टक, रामव्याह[illegible], केशवाष्टक, माधवाष्टक, छद्मपचरल, सांझीपचरल, निर्गुणाष्टक, फागुनवर्णन, [illegible]चारनपचरल [illegible]काष्टक [illegible]सोहराष्टक,

रासपचर[illegible], आरतीपद्यनादि

पुस्तके अन्तर्गतहैं ॥

प्रथमबार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८९ ई० ॥